सफलता 'मंथन' की, क्रमशः ....

सीहोर। योगेश कोली सीहोर जिला सीहोर के निवासी हैं। इन्होंने मंथन आईटीआई में वर्ष 2013 में डीजल मैकेनिक ट्रेड में प्रवेश लिया और 2014 में परीक्षा उत्तीर्ण की। परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् इन्होंने अपना स्वयं का उद्योग शुरु किया है और इनका उद्योग अच्छा चल रहा है। इन्होंने मंथन आईटीआई के सभी शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए कहा मैं अपनी सभी उपलब्धियों के लिए मंथन संस्थान के मार्गदर्शन का आभारी हूं।

जिलों से

● रिपोर्टर

दवा कारोबार में गड़बड़ी पकड़ने भोपाल से आए अधिकारी ... प्रेमनगर में दबिश, पेट्रोल पंप कैशियर गबन के आरोप में गिरफ्तार

जबलपुर। दवा कारोबार में घंटों चली कार्रवाई के बाद दवाओं के सैंपल व दस्तावेज जब्त किए गए। उक्त कार्रवाई मंजीत झारिया द्वारा विगत दिनों मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में की गई शिकायत के आधार पर की गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि फर्म द्वारा दवा कारोबार का होलसेल लाइसेंस प्राप्त किया गया है। इसकी आड़ में गलत पैकेजिंग की जा रही है। कर चोरी, प्रतिबंधित इंजेक्शन का विक्रय किया जा रहा है। कच्चे बिल पर दवाओं का बिक्री की जा रही है जो कि नियम के विपरीत है।

एस्टीमेट बिलिंग के चलते जीएसटी चोरीः एस्टीमेट बिलिंग कर एंटीबायोटिक ओरल व इंजेक्टिबल शेड्यूल-एच ड्रग्स आदि बेचे जा रहे हैं। एस्टीमेट बिलिंग के चलते जीएसटी चोरी, आयकर चोरी की भी संभावना है। इतना ही नहीं इंजेक्शन की डिब्बी, लेबल आदि बदलकर मुनाफाखोरी के भी आरोप लगाए। यह आरोप भी लगाए हैं कि आवासीय परिसर में व्यावसायिक गतिविधियां कर नगर निगम के संपत्ति कर की चोरी की जा रही है। उक्त कार्रवाई की सूचना खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा पुलिस को नहीं दी गई थी।

पेट्रोल पंप कैशियर गबन के आरोप में गिरफ्तारः ओमती पुलिस ने बताया कि रेलवे ब्रिज क्रमांक दो के पास सरबजीत सिंह मोखा का पेट्रोल पंप है। जहां मूलतः सिहोरा वार्ड क्रमांक चार का निवासी रोहित कुमार काछी पेट्रोल और डीजल डालने के बाद आनलाइन और आफलाइन पेमेंट लेना था। वह पिछले चार माह से रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक की ड्यूटी में रुपयों का गड़बड़झाला करने लगा। वह रुपये अपने पास रखता और कैश वाउचर में नकली पर्चियां लगा देता था। पंप के मैनेजर रमेश गिरी गोस्वामी को जब कैश में गड़बड़झाला लगा, तो उन्होने कैश वाउचर की जांच की, तो पूरा मामला खुलकर सामने आ गया। जिसके बाद मामले की शिकायत ओमती पुलिस से की गई। पुलिस ने आरोपित रोहित काछी को गिरफ्तार कर लिया है।

मानव तस्कर गिरोह — राजस्थान के राजसमंद में? किया था सौदा, मामले में तीन महिलाओं सहित 5 आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके? हैं

भोपाल की महिला को 3 लाख रुपए में बेचने वाला आरकेएमपी से गिरफ्तार, पीड़ित महिला ने बताया था- जंजीरों में बांधकर रखते थे

● मंथन संवाददाता

भोपाल। भोपाल की महिला को राजस्थान में बेचने वाले मुकेश भालेराव को हबीबगंज पुलिस ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन (आरकेएमपी) से गिरफ्तार किया। 10 हजार का इनामी मुकेश भागने की तैयारी में था। मुकेश से कई बड़े राज खुल सकते हैं। माना जा रहा है वह मानव तस्कर गिरोह के संपर्क में था। आरोपी का मोबाइल जांच के लिए दिया गया है। उसके नंबर की सीडीआर निकाली जा रही है।

आरोपी ने भोपाल की 26 वर्षीय महिला को राजस्थान के राजसमंद में बेचा था। 3 लाख रुपए में महिला का सौदा किया गया था। 23 फरवरी को बेची गई महिला को पुलिस ने 23 सितंबर को राजसमंद के ग्राम मौलेला से बरामद किया था। इसकी मास्टरमाइंड पूजा, उसकी सहेली छाया, मुकेश की पत्नी संतोष भालेराव, शादी कराने वाले हिम्मतलाल और महिला को खरीदकर शादी करने वाला देवीलाल पहले गिरफ्तार हो चुके

हैं। थाना प्रभारी अजय सोनी ने बताया कि आरोपी मुकेश को पकड़ने उसके घर व आसपास मुखबिर लगाए गए थे। 11 नवंबर की रात पिन-पॉइंट सूचना के आधार पर उसे रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान में बेटी की ससुराल, ऐसे संपर्क में आई छाया

मास्टरमाइंड छाया की बेटी की ससुराल राजस्थान में है। उसका वहां आना-जाना है। इस तरह छाया राजसमंद के देवीलाल के संपर्क में आई। देवीलाल ने शादी के लिए लड़की खरीदने की बात की और सौदा 3 लाख रुपए में हुआ। पूजा साथ काम करने वाली सहेली (पीड़िता) को छाया के यहां लेकर आई। शादी में काम के बहाने पीड़िता को संतोष और उसका पति मनोज राजसमंद लेकर पहुंचे। यहां पंडित हिम्मतलाल ने उसकी शादी देवीलाल से कराई। पीड़िता पुलिस को बताया था- उसे जंजीरों में जकड़कर रखा जाता था।

दूसरा आधार कार्ड बनवायाः पीड़िता की पहचान बदलने के लिए आरोपी मनोज ने उसका दूसरा आधार कार्ड बनवाया था। इसके अलावा और भी अन्य दस्तावेज भी बनवाए थे। यह दस्तावेज कहां बनवाए गए। इसका पता लगाया जा रहा है। मुकेश और किन लोगों के संपर्क में था पुलिस यह कड़ियां भी जोड़ रही है।

8 महीने पहले लापता नाबालिग बरामदः 8 महीने पहले लापता हुई नाबालिग को कटारा हिल्स पुलिस ने सीहोर से बरामद किया है। उसे साथ ले जाने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पति-पत्नी बनकर रह रहे थे। आरोपी की पहचान सूरज मेहरा के रूप में हुई। थाना प्रभारी बृजेंद्र निगम ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद धाराएं बढ़ाई जाएंगी।

आरजीपीवी... क्लास में नहीं पहुंची फैकल्टी तो वीसी खुद ही पढ़ाने लगे, तीन को नोटिस

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) का एकेडमिक सिस्टम पटरी से उतरा हुआ है। प्रोफेसर त्रिपाठी 12 नवम्बर को यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट पहुंचे तो पाया कि फाइनल ईयर की क्लास में केवल 5 स्टूडेंट ही आए थे। प्रो. त्रिपाठी ने फैकल्टी से कहा कि यदि क्लास में स्टूडेंट नहीं आ रहे हैं तो इसमें फैकल्टी को ही दोषी माना जाएगा। उसके शिक्षक होने पर सवाल खड़े होंगे। उसे अपने बारे में सोचना होगा। इसके बाद कुलपति सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट पहुंचे। यहां फर्स्ट ईयर की क्लास में स्टूडेंट्स फैकल्टी का इंतजार करते मिले। फैकल्टी के अनुपस्थित होने पर वीसी ने खुद स्टूडेंट की क्लास ली। वहीं अनुपस्थित रहने वाली फैकल्टी आरके चिढ़ार, अनुभूति खरे व एक अन्य कांट्रेक्ट फैकल्टी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

शाम होते ही लगने लगते हैं ताले.. आरजीपीवी के पिछले कुलपतियों में से कोई विवि कैंपस में नहीं रहा। प्रो. त्रिपाठी विवि कैंपस में ही रह रहे हैं। इस दौरान कई कमियां मिल रही हैं। उन्होंने फैकल्टी से कहा है कि यहां यूनिवर्सिटी जैसा माहौल ही नही हैं। शाम होते ही डिपार्टमेंट्स और लैब में ताले डल जाते हैं। लैब में रिसर्च करते कोई नहीं मिलता। यूनिवर्सिटी की फैकल्टी के पास एक्सपोजर नहीं है। इसमें बदलाव करने की जरूरत है।

मंदिर जाने से रोकने का आरोप — बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी में हॉस्टल वार्डन पर छात्राओं को मंदिर जाने से रोकने का आरोप

मंदिर जाने और सुंदरकांड पर छात्राओं से मंगवाई माफी, भोपाल की यूनिवर्सिटी में एबीवीपी का विरोध

● मंथन संवाददाता

भोपाल। भोपाल स्थित बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में एक विवाद सामने आया है, जिसमें हॉस्टल की चीफ वार्डन आयशा रईस पर छात्राओं को मंदिर जाने और सुंदरकांड पढ़ने के कारण माफी नामा लिखवाने का आरोप है। छात्राओं ने आरोप लगाया कि वार्डन ने मंदिर जाने के लिए अनुमति लेने की बात भी कही। इस मामले पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने विरोध दर्ज करते हुए जमकर बवाल किया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के सामने रामधुन कार्यक्रम आयोजित किया।

वार्डन ने अपनी सफाई में कहा कि जानबूझकर इसे एक धार्मिक मुद्दा बनाया जा रहा है जबकि ऐसा कुछ नहीं है। इसे अनुशासन का मामला माना जाना चाहिए, न कि धार्मिक मुद्दा। उन्होंने कहा कि यह मामला 'शॉर्ट आउट' किया जा चुका था और वाइस चांसलर द्वारा जांच के लिए एक समिति गठित कर दी गई है। वार्डन

ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार केवल अनुशासन और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए छात्राओं के समय पर आने की निगरानी की जाती है।

छात्राओं की सुरक्षा के लिए उठाया कदम- हॉस्टल वार्डन

हॉस्टल की वार्डन का कहना है कि मामला मेट्रन और वार्डन का है, जिसमें कुछ बातों को स्पष्ट करने की आवश्यकता है। चीफ वार्डन का मुख्य कार्य विद्यार्थियों की सुरक्षा और अनुशासन का पालन सुनिश्चित करना होता है। छात्राओं को कैंपस में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति दी जाती है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि उनकी उपस्थिति और गतिविधियां नियमानुसार दर्ज हों। कभी-कभी छात्राओं के समय पर न लौटने पर चिंता होना स्वाभाविक है, ये अनुशासन का ही पक्ष है।

हॉस्टल वार्डन ने आगे कहा कि इसमें मामलाा बस इतना है कि बच्चियां नाराज हो गई हैं। हमारा तो काम ही है कि हम एक गार्जियन की तरह उनसे पेश आएं। छात्राओं के आने-जाने के समय को लेकर हम बाकायदा रजिस्टर मेंटेन करते हैं। इस पर भी हमारी नजर रहती है कि समय से बच्चियां हॉस्टल में आ जाएं। उनसे कहा जाता है कि बेटा लेट हो रहे हो टाइम पर आ जाओ। ये पूरा मामला सुलझ गया था। बच्चियां भी मान गई थीं और उनकी एंट्री कर दी गई थी।

वार्डन ने बताया कि मुझे पर्सनली ये इन्फॉर्मेशन देर से मिली थी कि बच्चियां लेट आई हैं। हमारे यहां सेमिनार चल रहा था जिसमें मैं बिजी थी। मोबाइल भी साइलेंट पर था फिर भी मैंने फोन रिसीव किया और कहा उन्होंने अगर इन्फॉर्म कर दिया है तो ऐसी कोई बात नहीं है। फिलहाल इस मामले में वाइस चांसलर ने कमेटी बना दी है जो पूरी जांच कर लेगी।

बता दें कि इस पूरे मामले में एबीवीपी से जुड़े छात्रों का विरोध सामने आया है। एबीवीपी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि छात्राओं से सिर्फ इसलिए माफीनामा लिखवाया गया क्योंकि वो मंदिर गई थीं। उनका कहना है कि छात्राओं का ये भी आरोप है कि वार्डन का कहना है मंदिर जाने के लिए अनुमति लेनी चाहिए थी।

पेज 1 का शेष

महिलाओं ने पलटा झारखंड चुनाव का पासा? बदल गए कई सीटों पर समीकरण...

आदिवासी वोटों को गोलबंद करने के लिए भाजपा ने बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठाया है। हालांकि लोकसभा चुनाव के वक्त हेमंत सोरेन के जेल जाने से आदिवासी वोटर उनके पक्ष में ही गोलबंद हो गए थे। वरिष्ठ पत्रकार मधुकर कहते हैं कि हेमंत सोरेन का जेल जाना उनके लिए जस तरह लोकसभा चुनाव में संजीवनी साबित हुआ, ठीक उसी अंदाज में आदिवासी वोटर उनके पक्ष में अब भी गोलबंद हैं। ऐसे में आदिवासी सीटों पर 2019 से ही बनी उनकी पकड़ इस बार भी दिख जाए तो आश्चर्य नहीं।

महिलाओं ने पलटा झारखंड चुनाव का पासा? बदल गए कई सीटों पर समीकरण,जानें किसके पक्ष में पड़ा वोट

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 सीटों पर मतदान संपन्न हुआ। मतदान प्रतिशत 66.48 रहा। रांची की पाँच सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया। ईवीएम और वीवीपैट स्ट्रांग रूम में सील कर दिए गए हैं। किसी भी बूथ पर पुनर्मतदान नहीं होगा।

रांचीः झारखंड की 43 सीटों के लिए पहले चरण में मतदान के दौरान बड़े हुए वोट प्रतिशत ने सभी को चौंका दिया है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव की अपेक्षा इस बार 3 प्रतिशत अधिक मतदान हुआ है। बड़े हुए मतदान प्रतिशत से कई सीटों के सियासी समीकरण में बदलाव की चर्चा शुरू हो गई है।

रांची की 5 सीटों में पुरुषों की अपेक्षा महिला मतदाताओं ने किया अधिक मतदान

चुनाव आयोग से मिली जानकारी के अनुसार रांची के तमाड़ विधानसभा सीट पर कुल 1 लाख 62 हजार 607 मतदाताओं की ओर से अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया, जिसमें 80 हजार 805 पुरुष और 81 हजार 802 महिला मतदाताओं ने वोट किए। इसी तरह से हटिया में 3 लाख 7 हजार 38 मतदाताओं ने वोट डाले, उसमें 1 लाख 53 हजार पुरुष और 1 लाख 54 हजार 486 महिला मतदाताओं ने वोट किए।

इसी तरह से कांके में 3 लाख 3 हजार 360 मतदाताओं ने वोट डाले, जिसमें 1 लाख 51 हजार 329 पुरुष और 1 लाख 52 हजार 31 महिला मतदाताओं ने वोट डाले। मांडर में भी कुल 2 लाख 75 हजार 336 मतदाताओं ने वोट डाले, इसमें 1 लाख 32 हजार 760 पुरुष और 1 लाख 42 हजार 575 महिला मतदाताओं ने वोट डाले।

रांची विधानसभा क्षेत्र में कुल 1 लाख

98 हजार 833 वोटरों ने मतदान किया, इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 1 लाख 1 हजार 481 पुष और 87 हजार 344 महिला मतदाताओं ने वोट डाले। इस तरह से रांची जिले की पांच विधानसभा सीटों पर कुल 12 लाख 47 हजार 974 मतदाताओं ने वोट डाले, इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 6 लाख 19 हजार और 6 लाख 28 हजार महिला मतदाताओं ने वोट डाले।

किसी भी बूथ पर पुनर्मतदान नहीं

प्रथम चरण के शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि किसी भी बूथ पर पुनर्मतदान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में मतदान आशानुरूप हुआ, लेकिन शहरी क्षेत्र में कम मतदान हुआ है। आगे के चुनाव को ध्यान में रखकर निर्वाचन आयोग शहरी क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर फोकस कर काम करेगा। उन्होंने बताया कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक विभिन्न एजेंसियों की ओर से कुल 2 अरब 13 करोड़ से अधिक की अवैध सामग्री और नकदी जब्त की जा चुकी है।

झारखंड में मतदान पूराः प्रत्याशियों का सियासी भाग्य ईवीएम में कैद

मतदान समाप्त होने के बाद निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने ईवीएम को सील कर स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचाने की प्रक्रिया पूरी की।

पांच बजे तक सरायकेला-खरसावां में सबसे अधिक 77.32 फीसदी मतदान

निर्वाचन आयोग के मुताबिक 13 नवम्बर को पहले चरण में 43 सीटों में सरायकेला-खरसावां जिले में सबसे अधिक वोटिंग हुई है। यहां पांच बजे तक 77.32 फीसदी मतदान हुआ है। 13 नवम्बर को 43 में से 10 विधानसभा सीटों पर 70 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई है। दूसरे नंबर पर बहरागोड़ा है जहां 76.15 फीसदी मतदान हुआ है। तीसरे नंबर पर लोहरदगा में 73.21 फीसदी वोटिंग हुई है। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका विधानसभा सीट पर 72.29 प्रतिशत , राजधानी रांची की मांडर विधानसभा सीट पर 72.13 फीसदी मतदान हुआ है। सरायकेला विधानसभा सीट पर 71.54 प्रतिशत , गुमला जिले की सिसई विधानसभा सीट पर 71.21 प्रतिशत मतदान हुआ है। लोहरदगा जिले की बिशुनपुर विधानसभा सीट पर 70.06 वोटिंग हुई है। पूर्वी सिंहभूम की घाटशिला विधानसभा सीट पर 70.05 प्रतिशत मतदान हुआ है। लातेहार में 69.7 फीसदी मतदान हुआ है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक 13 नवम्बर को पहले चरण में 43 सीटों में बहरागोड़ा में सबसे अधिक वोटिंग हुई है। यहां अब तक 70.10 फीसदी मतदान हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक में 65.99 प्रतिशत वोटिंग हुई है। सिमडेगा में 64.78 प्रतिशत मतदान हुआ है।